भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या: *261
13 दिसंबर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

वर्ष 2025 तक क्षय रोग का उन्मूलन

***261. श्री कंवर सिंह तंवर:**
श्री भर्तृहरि महताब:

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने देश में वर्ष 2025 तक क्षय रोग (टीबी) के उन्मूलन का लक्ष्य रखा है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ख) क्या सरकार की '2025 तक क्षय रोग समाप्त करने' की प्रतिबद्धता के तहत हुई प्रगति निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) क्या सरकार ने क्षय रोग उन्मूलन के लिए कोई कार्यक्रम शुरू किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और छत्तीसगढ़ सहित देश में उक्त कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है;

(घ) विशेषत: अमरोहा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र सहित देश भर में क्षय रोगियों की राज्यवार/संघ राज्य क्षेत्र-वार कुल संख्या आज तक कितनी है; और

(ङ) क्या दवा-प्रतिरोधी (डीआर) क्षय रोग के लिए अपेक्षाकृत कम अवधि के लिए मुख मार्ग से दवाएं लिए जाने वाला उपचार शुरू होने से उपचार के परिणामों में सुधार हुआ है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री
(श्री जगत प्रकाश नड्डा)

(क) से (ङ): विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

13 दिसंबर, 2024 के लिए लोक सभा तारांकित प्रश्न सं.261 के उत्तर में उल्लिखित विवरण

भारत सरकार ने वर्ष 2025 तक टीबी उन्मूलन के उद्देश्य से एक राष्ट्रीय कार्यनीतिक योजना (2017-2025) लागू की है, जो संयुक्त राष्ट्र के 2030 तक के सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) से पांच वर्ष पूर्व है। यह मंत्रालय राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तत्वावधान में राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) को क्रियान्वित करता है। एनटीईपी द्वारा भारत को टीबी मुक्त बनाने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किए गए हैं। भारत में टीबी की घटना दर 2015 में प्रति 100,000 जनसंख्या पर 237 से 2023 में प्रति 100,000 जनसंख्या पर 195 तक थी, जो 17.7% की गिरावट दर्शाती है। टीबी से होने वाली मौतें 2015 में प्रति लाख जनसंख्या पर 28 थी, जो 2023 में प्रति लाख जनसंख्या पर 22 रह गई; इस प्रकार 21.4% की कमी हुई है।

उपर्युक्त लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों (छत्तीसगढ़ सहित) में सरकार द्वारा उठाए गए कदम इस प्रकार हैं:

- राज्य और जिला विशिष्ट कार्यनीतिक योजनाओं के माध्यम से उच्च टीबी भार वाले क्षेत्रों में लक्षित हस्तक्षेप।
- टीबी रोगियों को निःशुल्क दवाइयां और निदान की सुविधा उपलब्ध कराना।
- प्रमुख संवेदनशील और सह-रुग्ण आबादी में अभियानों के माध्यम से क्षयरोग के सक्रिय मामलों का पता लगाना।
- आयुष्मान आरोग्य मंदिर को टीबी जांच और उपचार सेवाओं के साथ एकीकृत करना।
- टीबी मामलों की अधिसूचना और प्रबंधन के लिए प्रोत्साहन के साथ निजी क्षेत्र की भागीदारी।
- उप-जिला स्तर तक मोलेक्यूलर नैदानिक प्रयोगशालाओं का विस्तार।
- टीबी रोगियों को पोषण सहायता के लिए नि-क्षय पोषण योजना के अंतर्गत कवरेज का विस्तार।
- सामाजिक बदनामी की भावना को कम करने, सामुदायिक जागरूकता बढ़ाने और स्वास्थ्य संबंधी व्यवहार में सुधार लाने के लिए गहन सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) हस्तक्षेप।
- टीबी उन्मूलन के लिए संबंधित मंत्रालयों के प्रयासों और संसाधनों का अभिसरण।
- टीबी रोगियों के संपर्कों और संवेदनशील आबादी को टीबी निवारक उपचार का प्रावधान।
- नि-क्षय पोर्टल के माध्यम से अधिसूचित टीबी मामलों की ट्रैकिंग।
- नि-क्षय मित्र पहल के तहत टीबी रोगियों और घरेलू संपर्कों को अतिरिक्त पोषण, नैदानिक और व्यावसायिक सहायता का प्रावधान।

उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले में 2023 और 2024 (31.10.2024 तक) में रिपोर्ट किए गए टीबी मामलों की संख्या क्रमशः 3,574 और 3,498 है। 2023 और चालू वर्ष (31.10.2024 तक) में रिपोर्ट किए गए टीबी मामलों की संख्या का राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार विवरण **अनुलग्नक-I** में दिया गया है।

दवा प्रतिरोधी टीबी के लिए लघु मुख सेव्य उपचार 2021 में शुरू किया गया था। इस उपाय से दवा प्रतिरोधी टीबी रोगियों की उपचार सफलता दर 2020 में 68% से बढ़कर 2022 में 75% हो गई है।

अनुलग्नक-I

2022 से 2024 तक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार सूचित टीबी के मामले*		
राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	2023	2024 (जनवरी- अक्टूबर)
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	561	445
आंध्र प्रदेश	89064	69371
अरुणाचल प्रदेश	2604	2430
असम	51862	42202
बिहार	186974	167193
चंडीगढ़	6721	5885
छत्तीसगढ़	38924	32526
दादरा और नगर हवेली व दमन और दीव	1167	889
दिल्ली	100523	88868
गोवा	2082	1710
गुजरात	144507	113431
हरियाणा	80490	73703
हिमाचल प्रदेश	15648	13429
जम्मू एवं कश्मीर	11754	10442
झारखंड	61717	53213
कर्नाटक	81862	65186
केरल	21799	17267
लद्दाख	320	235
लक्षद्वीप	6	6
मध्य प्रदेश	184691	149093
महाराष्ट्र	227664	186706
मणिपुर	2495	2067
मेघालय	4908	3890
मिजोरम	2273	1985
नागालैंड	4287	3419
ओडिशा	62387	48917
पुदुचेरी	4169	2843
पंजाब	55224	49739
राजस्थान	165123	145405
सिक्किम	1391	1122
तमिलनाडु	98251	77820
तेलंगाना	74994	62722
त्रिपुरा	3386	2760
उत्तर प्रदेश	632872	563573
उत्तराखंड	26829	24984
पश्चिम बंगाल	102728	83962

डेटा स्रोत: नि-क्षय

*****